छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय

कानपुर

के

परास्नातक – हिन्दी विषय

हेतु

नई शिक्षा नीति 2020

के आधार पर

तैयार पाठयक्रम

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

STRUCTURE OF SYLLABUS FOR THE

PROGRAM: M.A. , SUBJECT: HINDI

Syllabus Developed by		
Name of BoS Convenor / BoS Member	**Designation**	**College/University**
DR. RENU DIXIT	Convenor	D.A.V. COLLEGE, CIVIL LINES, KANPUR

SEMESTER / YEAR	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITLE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
IST YEAR / IST SEM	A010701T	CORE	हिन्दी काव्य का इतिहास	5	25	75	100
	A010702T	CORE	साहित्यालोचन	5	25	75	100
	A010703T	CORE	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	5	25	75	100
	A010704T	CORE	कथा साहित्य	5	25	75	100
IST YEAR / IIND SEM	A010801T	CORE	हिन्दी गद्य का इतिहास	5	25	75	100
	A010802T	CORE	हिन्दी नाटक तथा एकांकी	5	25	75	100
	A010803T	ELECTIVE	मीडिया लेखन	5	25	75	100
	A010804T		सृजनात्मक लेखन				
	A010805T	ELECTIVE	भाषा प्रौद्योगिकी	5	25	75	100
	A010806T		शोधात्मक लेखन				
	A010807R	PROJECT	लघु शोध परियोजना	8	25	75	100
		MINOR ELECTIVE	FROM OTHER FACULTY (IN 1ST YEAR)*	4/5/6	25	75	100
IIND YEAR / IIIRD SEM	A010901T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य	5	25	75	100
	A010902T	CORE	कथेतर गद्य साहित्य	5	25	75	100
	A010903T	ELECTIVE	कबीरदास	5	25	75	100
	A010904T		सूरदास				
	A010905T		तुलसीदास				
	A010906T		प्रेमचन्द्र				
	A010907T		जयशंकर प्रसाद				
	A010908T		आचार्य रामचन्द्र शुक्ल				
	A010909T	ELECTIVE	हिन्दी रंगमंच	5	25	75	100
	A010910T		साहित्य एवं सिनेमा				
IIND YEAR / IVTH SEM	A011001T	CORE	अस्मितामूलक विमर्श	5	25	75	100
	A011002T	ELECTIVE	नीति काव्य	5	25	75	100
	A011003T		शैली विज्ञान				
	A011004T	ELECTIVE	भारतीय साहित्य	5	25	75	100
	A011005T		हिन्दीत्तर क्षेत्र का हिन्दी साहित्य				
	A011006T	ELECTIVE	हिन्दी विज्ञान लेखन	5	25	75	100
	A011007T		हिन्दी के क्षेत्र, लोकशैलियाँ तथा लोक साहित्य के विविध आयाम				
	A011008R	PROJECT	लघु शोध परियोजना	8	25	75	100

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

STRUCTURE OF SYLLABUS FOR THE

PROGRAM: M.A. , SUBJECT: HINDI

NOTE:

1. * A Minor Elective from other faculty shall be chosen In 1st Year (Either Ist / IInd Semester) as per availability.
2. In both years of PG program, there will be a Research Project or equivalently a research-oriented Dissertation as per guidelines issued earlier and will be of 4 credit (4 hr/week), in each semester. The student shall submit a report/dissertation for evaluation at the end of the year, which will be therefore of 8 credits and 100 marks
3. Research project can be done in form of Internship/Survey/Field work/Research project/ Industrial training, and a report/dissertation shall be submitted that shall be evaluated via seminar/presentation and viva voce.
4. The student straight away will be awarded 25 marks if he publishes a research paper on the topic of Research Project or Dissertation.

Minutes of the Meeting of Board of Studies held on Date 08.05.2022 for Approval of syllabus of Hindi for affiliated colleges of CSJM University Kanpur.

An online meeting of Board of Studies (BOS) of Hindi was held on Sunday the 08.05.2022 under the observation of Dr. Rashmi Gore, observer CSJM University for approval of detailed syllabus of Hindi for the affiliated colleges of CSJM university, Kanpur according to the NEP'20 and CBCS system. BOS has approved the syllabus for the course with research and Post-Graduation and it will be implemented from 2022-2023 session.

1. Dean Faculty of Arts
2. Convener: Dr. Renu Dixit, Head, Department of Hindi, D.A-V College, Kanpur. 08/05/2022
3. External Expert: Prof. Pawan Agrawal, Department of Hindi, Lucknow University, Lucknow. 08/05/2022
4. External Expert: Prof. Yogendra Pratap Singh, Department of Hindi, Allahabad University, Allahabad. 08/05/22
5. External Expert: Dr. Anil Kumar Rai, ~~Associate~~ Professor, SLC(E)Department of Hindi, Delhi University, Delhi. 08/05/2022
6. External Expert: Prof. Sarvesh Kumar Singh, Department of Hindi, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow 08-05-2022
7. Internal Expert: Dr. Ritanibhara, Head, Department of Hindi, A.N.D. Mahila College, Kanpur. 08/05/2022
8. Internal Expert: Dr. Daya Dixit, Associate Professor, Department of Hindi, D.A-V. College, Kanpur. 08.05.22
9. Internal Expert: Dr. Rajesh Tiwari, Assistant Professor, Department of Hindi, D.A-V. College, Kanpur. 08/05/2022
10. Internal Expert: Dr. Yatendra Singh Kushwaha, Assistant Professor, Department of Hindi, D.A-V. College, Kanpur. 08/05/2022

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

पाठ्यक्रम ,एम.ए.– हिन्दी

प्रस्तावना :

एम.ए. हिन्दी के स्नातकोत्तर स्तर के इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देना तथा गहन अध्ययन एवं शोध जिज्ञासा का संवर्धन है। ज्ञान की शाखाओं के साथ वर्तमान विश्व को सजग आसोचनात्मक, संवेदनशील व्यक्तित्व की भी आवश्यकता है, जो समाज की नाकारात्मक शक्तियों के विरूद्ध समानता एवं विश्व बन्धुत्व की स्थापना कर सके। साहित्य का अध्ययन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि वह मानवता की विजय में मनुष्य का विश्वास दृढ करता है। भाषा, आलोचना और काव्य शास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है, वहीं कविता, कला, नाटक तथा कथा साहित्य उन सिद्धान्तों को व्यवहारिक रूप से समझाते है। इस प्रकार हिन्दी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों दृष्टि देता है। पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की आजादी देती है कि वह अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ सके।

उद्देश्य

एम.ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य स्नातक के पश्चात् विद्यार्थी को गम्भीर अध्ययन के लिए प्रेरित करता है। इस पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर मे विभाजित कर 100 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मूलक पाठ्यक्रम तीन सत्रों में विभाजित है। प्रथम सेमेस्टर मे चारो प्रश्नपत्र मूल (कोर) तथा द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में दो मूल (कोर) ,एवं दो निर्वाचित (इलेक्टिव) और चतुर्थ सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में एक मूल (कोर) तथा तीन निर्वाचित (इलेक्टिव) प्रश्नपत्र समाहित किये गये है जो अन्तरानशासनिक समझ को विस्तार देने के लिए है। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट का भी प्राविधान है जिससे वे शोधोन्मुख हो सके तथा इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान करना भी है। जिससे विद्यार्थी समाज, राष्ट्र और विश्व के बदलते सरोकारों से सामंजस्य बिठा सके। उसके भाषा कौशल, लेखन क्षमता का विकास हो । रचनात्मक लेखन, "शोध प्रविधि , रंगमंच, हिन्दी सिनेमा भारतीय साहित्य आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी विवेक के विस्तार में सहायक होगें।

परिणाम

इस विषय के अध्ययन के निम्न परिणाम आयेंगे –

1– इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा सकेगी।

2 भाषा के सैद्धान्तिक रूप के साथ व्यावहारिक रूप को जाना जा सकेगा।

3– उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा की भूमिका को समाया जा सकेगा।
4– छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से जान सकेगे।
5– अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोडकर पढाने से व्यावसायिक कौशल का विकास होगा।
6– हिन्दी के साथ भारतीय साहित्य के ज्ञानद से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास होगा।
7– साहित्य के माध्यम से सौन्दर्यबोध, नैतिकता, पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक समरस्ता सम्बन्धी समझ विकसित होगी।
8– साहित्य की विविध विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी को रचनात्मक लेखन की प्रेरणा मिलेगी।
9– साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के महत्व का बोध होगा।
10– प्राचीन और नवीन प्रतिमानों के विश्लेषण से अपनी सामाजिक सांस्कृतिक परम्परा का बोध होगा।

महत्त्वपूर्ण निर्देश

1. चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक के प्रथम सेमेस्टर में चार अनिवार्य प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का है।
2. चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक के द्वितीय सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं।प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
3. चतुर्थ वर्ष में 8 क्रेडिट का लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।
4. परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं।प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
5. परास्नातक के द्वितीय सेमेस्टर में एक अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं।प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा। 6. परास्नातक में 8 क्रेडिट का लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के परास्नातक हिन्दी विषय का प्रस्तावित पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – VII

1– प्रथम प्रश्नपत्र (कोर) – हिन्दी काव्य का इतिहास – 5 क्रेडिट

2– द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर) – साहित्यालोचन – 5 क्रेडिट

3– तृतीय प्रश्नपत्र (कोर) – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – 5 क्रेडिट

4– चतुर्थ प्रश्नपत्र (कोर) – कथा साहित्य – 5 क्रेडिट

सेमेस्टर – VIII

1– प्रथम प्रश्नपत्र (कोर) – हिन्दी गद्य का इतिहास – 5 क्रेडिट

2– द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर) – हिन्दी नाटक तथा एकांकी – 5 क्रेडिट

3– तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)– वैकल्पिक – 5 क्रेडिट

A. मीडिया लेखन
अथवा
B. सृजनात्मक लेखन

4– चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक – 5 क्रेडिट

A. भाषा प्रौद्योगिकी
अथवा
B. शोधात्मक लेखन

5. लघु शोध परियोजना – 8 क्रेडिट

नोट : चतुर्थ वर्ष में 8 क्रेडिट की लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जायेगा। इसके अर्न्तगत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित है। विद्यार्थी द्वारा शोध परियोजना पर बाहय परीक्षक द्वारा मौखिकी की परीक्षा ली जायेगी। परियोजना का मूल्यांकन 50 अंक तथा मौखिकी 50 अंक की होगी।

सेमेस्टर – IX

1– प्रथम प्रश्नपत्र (कोर) – आधुनिक हिन्दी काव्य – 5 क्रेडिट

2– द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर) – कथेतर गद्य साहित्य – 5 क्रेडिट

3– तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)– वैंकल्पिक (रचनाकारो का विशेष अध्ययन) – 5 क्रेडिट ।

A कबीरदास
अथवा
B. सूरदास
अथवा

C. तुलसीदास
अथवा
D. प्रेमचन्द
अथवा
E. जयशंकर प्रसाद
अथवा
F. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

4– चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक – 5 क्रेडिट

A. हिन्दी रंगमंच
अथवा
B. सिनेमा अध्ययन

<u>सेमेस्टर – X</u>

1– प्रथम प्रश्नपत्र (कोर) – अस्मितामूलक विमर्श – 5 क्रेडिट

2– द्वितीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)– – 5 क्रेडिट

A. नीति काव्य
अथवा
B. शैली विज्ञान

3– तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक – 5 क्रेडिट

A. भारतीय साहित्य
अथवा
B. हिन्दीत्तर क्षेत्र का हिन्दी साहित्य

4– चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक – 5 क्रेडिट

A. हिन्दी विज्ञान लेखन
अथवा
B. हिन्दी के क्षेत्र, लोकशैलियाँ तथा लोक साहित्य के विविध आयाम

5- लघु शोध परियोजना - 8 क्रेडिट

नोट :

1. पंचम वर्ष में 8 क्रेडिट की लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जायेगा। इसके अर्न्तगत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित है। विद्यार्थी द्वारा शोध परियोजना पर बाहय परीक्षक द्वारा मौखिकी की परीक्षा ली जायेगी। परियोजना का मूल्यांकन 50 अंक तथा मौखिकी 50 अंक की होगी।
2. 4 क्रेडिट का पाठयक्रम अन्तर्विषयक होने के कारण छात्र किसी अन्य विषय के किसी अन्य पाठयक्रम या हिन्दी के उन वैकल्पिक प्रश्नपत्रों को चयन करके पूर्ण करेगा जो उसमें अभी तक चयन नही किया।

सेमेस्टर –VII

प्रथम प्रश्न पत्र (कोर) –

हिन्दी काव्य का इतिहास (A010701T)

इकाई – 1 : इतिहास–दर्शन तथा आदिकाल

- इतिहास और आलोचना. इतिहास और अनुसंधान
- साहित्येतिहास–दर्शन के समकालीन सिद्धांत
- साहित्येतिहास–लेखन की प्रमुख अवधारणाएँ :मध्ययुगीनता, पुनर्जागरण और आधुनिकता
- काल–विभाजन और उसकी समस्याएँ
- नामकरण की समस्या पृष्ठभमि : विभिन्न परिस्थितियाँ
- रासोकाव्य–परंपरा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख कवि (चंदबरदाई. जगनिक, अमीर खुसरो, विद्यापति)

इकाई –2 : भक्तिकाल

- पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास.)
- निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराएँ : प्रमुख विशेषताएँ

इकाई –3 : रीतिकाल

- नामकरण की समस्या
- पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

• प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, धनानंद, बोधा, आलम, गुरुगोविंद सिंह, रज्जब)

• रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं को विभेदक विशेषताएँ

इकाई – 4

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम : 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)
- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- छायावाद : प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता

<u>प्रस्तावित पुस्तकें :</u>

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र
5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1.2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिंदी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
11. अप्रभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़

12. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

13. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

14. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

15. हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

16. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी

17. हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग–3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित

18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर –VII

द्वितीय प्रश्न पत्र (कोर) –

साहित्यालोचन (A010702T)

इकाई–1 – हिन्दी आलोचना के उदय की परिस्थितियाँ

– प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना का स्वरूप, पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी आलोचना

इकाई – 2 – हिन्दी आलोचना पद्धतियाँ

सैद्धान्तिक, स्वच्छन्तावादी, मनोविश्लेषणवादी, मार्क्सवादी, नई समीक्षा तथा अन्य आधुनिक समीक्षा पद्धति

ईकाई–3 – हिन्दी आलोचना का ऐतिहासिक विकासक्रम : शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना)

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सैद्धान्तिक चिन्तन एवं व्यावहारिक पक्ष

– शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।

इकाई–4 – हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचनात्मक अवधार.ाओं और पद्धतियों

– प्रतिमानों का उनकी कृतियों के आलोक में गहन अध्ययन ।

संदर्भ पुस्तकें –

1– काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2– पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3– काव्यशास्त्र की रूपरेखा – रामदत्त भारद्वाज
4– रसमीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल
5– आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह
6– हिन्दी समीक्षा – स्वरूप और सौन्दर्य – रामदरश मिश्र
7– सौन्दर्यशास्त्र – हरद्वारी लाल शर्मा
8– हिन्दी आलोचना – पहचान और परख – इन्द्रनाथ मदान– राधाकृष्ण प्रकाशन,
9– संवेदना के स्तर – राजमल वोस
10– संवेदना और सौन्दर्य – राजमल वोरा
11– साहित्यालोचन – श्याम सुन्दर दास – काशी
12– आधुनिक हिन्दी आलोचना पर पाश्चात्य प्रभाव – रामचन्द्र प्रसाद

13– सिद्धान्त और अध्ययन – गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली

14– शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त (दोनों भाग) – गोविन्द त्रिगुणायत,

15– समीक्षा के पाश्चात्य मानदण्ड – राजेन्द्र वर्मा – म. प्र. हिन्दी ग्रंन्थ अकादमी

16– हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

17– समीक्षा की समस्यॉए (मुक्तिबोध रचनावली–5 में संकलित) – गजानन माधव मुक्तिबोध – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

18– दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

19 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

20– हिन्दी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

21– सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व – कुमार विमल – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

22– हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मला जैन – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

23– मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ,ऐतिहासिक आलोचना – शीतांशु – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

24– हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास – भगवत स्वरूप मिश्र

25– डा० नगेन्द्र के आलोचना सिद्धान्त – नारायण प्रसाद चौबे

26– रामविलास शर्मा विशेषांक – (आलोचना पत्रिका अंक 60–61)

27– शान्ति निकेतन से शिवालिक तक – सं. शिव प्रसाद सिंह

सेमेस्टर –VII

तृतीय प्रश्न पत्र (कोर) –

प्राचीन एवं मध्यकालीन काल (A010703T)

इकाई–1 आदिकालीन काल

विद्यापति (संपादक– रामवृक्ष बेनीपुरी) पद : 1,2,5,10,18,23,27,29,36,42 (कुल 10 पद)

अथवा

चन्दबरदाई (संपादक– माताप्रसाद गुप्त) : कयमासवध

इकाई –2 निर्गुण भक्तिकाव्य

कबीर : (संपादक–हजारी प्रसाद द्विवेदी)

पद संख्या : 35,108,112, 123,126,134,153,168,181,206 (कुल 10 पद)

साखी संख्या : 103,113,139,157,190,191,199,200,201,231 (कुल 10 पद)

इकाई –3 निर्गुण भक्तिकाव्य

जायसी : (संपादक– रामचन्द्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड

इकाई –4 सगुण भक्तिकाव्य

सूरदास –भ्रमरगीत : सार (संपादक – रामचन्द्र शुक्ल)

पद संख्या–3,4,7,9,11,16,18,21,22,24,3034,37,42,45,52,62,75,85,100 (कुल पद 20)

तुलसीदास : अयोध्या काण्ड – दोहा संख्या 185 से अन्त

रीतिकालीन काव्य

बिहारी – बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर (संपादक) दोहा संख्या – , 1,5,7, 15 19. 20, 21, 22, 25, 38, 42, 45 71, 85, 91, 99, 106 , 127, 135, 146 151, 171,188 , 201(कुल 25 पद)

धनानन्द ग्रंथावली – संपादक – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र –1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 24, 25, 26, (कुल 15 पद)

संदर्भ पुस्तकें :

1– हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ– हजारी प्रसाद द्विवेदी– पटना

2– कबीर – आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल, नई दिल्ली

3– हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त बडथ्वाल – लखनऊ

4– कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानप ुर,

5– कबीर एक नई दृष्टि – रघुवंश – इलाहाबाद

6– कबीर – विजयेन्द्र स्नातक – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

7– कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, इलाहाबाद

8– कबीर का अनुशीलन – रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, इलाहाबाद

9– विद्यापति – डा० शिव प्रसाद सिंह – साहित्य भवन, इलाहाबाद

10– महाकवि विद्यापति – स्थापना और विवेचन – डा० कृष्णनन्दन 'पीयूष' – सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

11– विद्यापति : युग और साहित्य – डा० अरविन्द नारायण सिन्हा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

12– विद्यापति ठाकुर – शिवनन्दन ठाकुर

13– विद्यापति अनुशीलन (भाग 1 व 2)– डा0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव – बिहार हिन्दी ग्रंन्थ । अकादमी

14– चंदबरदायी और उनका काव्य – डा0 विपिन बिहारी त्रिवेदी – हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

15– रासो साहित्य और पृथ्वीराज रासो – नरोत्तम स्वामी – भारती विद्यामन्दिर, बीकानेर

16– पदमावती समय – डा0 विश्वनाथ गौड – साहित्य निकेतन, कानपुर

17– जायसी – विजयदेव नारायण साही – इलाहाबाद

18– पदमावत – (सं) वासुदेव शरण अग्रवाल – झाँसी

19– हिन्दी सूफी काव्य भूमिका – रामपूजन तिवारी ।

20– जायसी पदमावत काव्य और दर्शन – गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर
21– सूफी संत साहित्य का उद्‌भव विकास – जयबहादुर लाल – साहित्य निकेतन, कानपुर
22– पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – नामवर सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
23– मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – शिवसहाय पाठक – साहित्य भवन, इलाहाबाद
24– उत्तर भारत के निर्गुण पंथ साहित्य का इतिहास – डा0 विष्णुदत्त 'राकेश – साहित्य भवन, इलाहाबाद
25– जायसी काव्य में इस्लामी तत्त्व – जरीना रहमत – साहित्य भवन, इलाहाबाद।
26– सूर साहित्य – आ– हजारी प्रसाद द्विवेदी
27– सूरदास और उनका काव्य – गोवर्धन लाल शुक्ल
28– मध्ययुगीन हिन्दी भक्ति काव्य का विवेचन – गिरधर प्रसाद शर्मा – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
29– रीतिकालीन श्रंगाारिक सतसइयों का तुलनात्मक अध्ययन – पुष्पलता – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
30– महाकवि घनानन्द – राज बुद्धिराजा – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
31– बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन – किशोरी लाल – साहित्य भवन, इलाहाबाद
32– महाकवि सूरदास – नन्द दुलारे बाजपेयी – राजकमल, दिल्ली
33– हिन्दी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र – राजकमल, दिल्ली
34– तुलसी – उदयभानु सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
35– विश्वकवि तुलसीदास – रामप्रसाद मिश्र – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
36– लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
37– गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल – काशी नागरी प्रचारिणी सभा
38– तुलसीदास – मदन गोपाल गुप्त – सेतु प्रकाशन, झाँसी
39– तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुन्तल मेध – भारतीय ज्ञानपीठ
40– बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
41– बिहारी और उनका साहित्य – हरवंश लाल शर्मा
42– कवित्रयी (बिहारी, देव, धनानन्द)– गिरीश चन्द्र तिवारी– पुस्तक प्रचार, दिल्ली
43– बिहारी और धनानन्द – परमलाल गुप्त
44– घनानन्द और स्वच्छन्द कालधारा – मनोहर लाल गौड– काशी नागरी प्रचारिणी
45– घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरी लाल – साहित्य भवन, इलाहाबाद
46– सूर का भ्रमरगीतसार – राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
47– भारतीय साधना और सूर साहित्य – मुंशीराम शर्मा

सेमेस्टर –VII

चतुर्थ प्रश्न पत्र (कोर) –

कथा साहित्य (A010704T)

(क) उपन्यास

इकाई – 1 : गोदान : प्रेमचंद

इकाई – 2 : मैला आँचल : फणीश्वर नाथ रेणु

(ख) कहानी

इकाई – 3

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- कफ़न : प्रेमचंद
- मधुआ : जयशंकर प्रसाद
- जिंदगी और जोंक : अमरकांत
- यही सच है : मन्नू भंडारी

इकाई –4

- चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी
- तीसरी कसम : रेणु
- परिंदे : निर्मल वर्मा
- वापसी : उषा प्रियंवदा
- पिता : ज्ञानरंजन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा

2. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी

3. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान

4. मैला आँचल की रचना–प्रक्रिया : देवेश ठाकुर

5. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन

6. क्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास : प्रेम सिंह

7. कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह

8. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी

सेमेस्टर –VIII

प्रथम प्रश्न पत्र (कोर) –

हिन्दी गद्य का इतिहास (A010801T)

इकाई–1 हिन्दी कथा साहित्य का इतिहास

इकाई–2 हिन्दी नाट्य साहित्य का इतिहास

इकाई–3 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास

- निबन्ध आलोचना
- रिपोर्ताज
- आलोचना
- पत्र साहित्य
- संस्मरण
- रेखा चित्र
- साक्षात्कार
- आत्मकथा
- जीवनी
- यात्रा वृतान्त

इकाई –4 पत्र–पत्रिकाएं तथा अन्य गद्य लेखन

<u>प्रस्तावित पुस्तकें :</u>

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र

5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा

7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय

8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी

9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1.2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

10. हिंदी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी

11. अप्रभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़

12. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

13. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

14. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

15. हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

16. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी

17. हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग–3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित

18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रू रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर –VIII

द्वितीय प्रश्न पत्र (कोर) –

हिन्दी नाटक तथा एकांकी (A010802T)

इकाई – 1 : भारतेंदु : भारत दुर्दशा

इकाई – 2 : जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी

इकाई – 3 : मोहन राकेश : आषाढ का एक दिन

इकाई – 4 : एकांकी

- कौमुदी महोत्सव : डॉ0 राम कुमार वर्मा
- भोर का तारा : जगदीश चन्द्र माथुर
- स्ट्राइक : भुवनेश्वर
- लक्ष्मी का स्वागत : उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा भुवनेश्वर
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

सेमेस्टर –VIII

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A. मीडिया लेखन (A010803T)

इकाई–1 माध्यम लेखन का स्वरूप, माध्यम लेखन और सर्जनात्मक लेखन में साम्य–वैषम्य, माध्यम लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता।

इकाई–2 माध्यम लेखन के प्रमुख बिन्दु– परिचर्चा (विचार, अवधि, आर्थिक व्यय, स्वरूप, भाषा, दृश्य परिकल्पना), शोध (विद्युत उपकर.ा, संगीत), अभिनेता। वाचक, वेशभूषा। प्रारूप– (वनलाइन स्टोरी, कच्ची रूपरेखा, कथा के आधार पर दृश्य क्रम, कथा के आधार पर संवाद (कैमरामैन, संगीत, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था निर्देश सहित विश्लेषण या जाँचा।

इकाई–3 श्रव्य माध्यम रेडियो हेतु– समाचार लेखन वार्ता, रेडियो नाटक और फीचर लेखन का स्वरूप एवं प्रविधि। दृश्य–श्रव्य माध्यम – दूरदर्शन हेतु लेखन समाचार लेखन, वृत्तचित्र, टेलीफिल्म, धारावाहिक लेखन का स्वरूप एवं प्रविधि।

इकाई–4 सोशल मीडिया : लेखन में नवाचार

- गैर कथात्मक लेखन में नवाचार
- ब्लॉग लेखन : परिचय एवं वैशिष्ट्य

सन्दर्भ ग्रंथ

1– कुमार सिद्धनाथ– रेडियो नाटक की कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

2– मंजुल, मुरली मनोहर, प्रसारण की विविध विधा में, साहित्य संगम इलाहाबाद, 1992

3– अग्रवाल, पवन– माध्यम लेखन कला, न्यू रॉयल बुक कं0, लखनऊ, 2002

4– पचौरी सुधीश– मीडिया और साहित्य, राजसूर्य प्रकाशन, दिल्ली, 1996

सेमेस्टर –VIII

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B. सृजनात्मक लेखन (A010804T)

इकाई–1

– सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ

– सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम

– काव्य का स्वरूप और रचना–प्रक्रिया

– गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता–लेखन प्रबंध–लेखन

– छंदवद्ध लेखन एवं मुक्त छंद लेखन

– लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन

– लघु कथा, कहानी, एकाकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई–2

– मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम

– प्रिंट एवं दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार

– मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य

– फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप. महत्त्व और क्षेत्र

– फीचर लेखन की विशेषताएँ

– फीचर लेखन की रचना–प्रक्रिया

– रेडियो. टी.वी. और कम्प्यूटर आदि के लिए सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

इकाई–3

– रेडियो टी.वी. लेखन और सृजनात्मकता

– रेडियो–टी.वी. :बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

– रेडियो–टी.वी. प्रहसन, एकांकी और नाट्य–लेखन

– रेडियो टी.वी. प्रसारण, एनीमेशन और सृजनशीलता

– हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता

– कृषकों, ग्रामीणों के लिए लेखन और सृजनात्मकता

इकाई–4

– गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता

– कहानी लेखन और सृजनात्मकता

– संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता

– संवाद–लेखन और सृजन–धर्म

– साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक. बोध

– रिपोतार्ज लेखन, डायरी लेखन, जीवनी लेखन आदि में सृजनात्मकता

संदर्भ ग्रंथ

1. मीडिया लेखन कला : सूर्य प्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल

2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक

3. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

4. सूचना प्रोद्यौगिकी, हिंदी और अनुवाद : स. नीता गुप्ता, पूरनचंद टण्डन

5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंहल. पूरनचंद टंडन

सेमेस्टर –VIII

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A. भाषा प्रौद्योगिकी (A010805T)

इकाई–1 – भाषा का अर्थ तथा महत्व

– भाषा और प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध

– वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता

– डिजिटल हिन्दी स्वरूप और संभावनायें

इकाई – 2 हिन्दी टंकण

– लिपि , फाण्ट

– यूनिकोड तथा की–बोर्ड ले आउट

– फाण्ट परिवर्तन

– टंकण संकेत

– हिन्दी में वर्तनी परीक्षण

– वर्तनी परीक्षण प्रणाली : मानक तथा अमानक प्रयोग

इकाई–3 लिप्यान्तरण

– ध्वनि तथा लिपि चिन्ह

– देवनागरी तथा अन्य लिपियॉं

– विशिष्ट वरण तथा लोगोग्राम

– कोश प्रयोग तथा कम्प्यूटर पर कोश निर्माण

– शब्द वर्ग निर्धारण तथा मशीनी संसाधन

इकाई–4 हिन्दी की डिजिटल स्थिति

– परिचय

- उपयोंगिता
- प्रयोग विधि
- हिन्दी ई–सामग्री की उपलब्धता
- इन्टरनेट पर हिन्दी डोमेन
- हिन्दी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग, ई–पाठशाला

संदर्भ ग्रंथ

1– भाषा और प्रौद्योगिकी : डॉ0 विनोद प्रसाद

2– हिन्दी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ0 दीपक राका तुपे

3– हिन्दी का संगणकीय व्याकरण : धनजी प्रसाद

4– भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : डॉ0 राजेश तिवारी 'विरल'

5– सी. शार्प प्रोगामिंग एवं हिन्दी के भाषिक टूल्स : धन जी प्रसाद

सेमेस्टर –VIII

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B. शोधात्मक लेखन (A010806T)

इकाई–1 शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, विभिन्न पर्याय, अनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधान आदि की परिभाषा। शोध की प्रक्रिया, विषय–निर्धारण, निर्देशन, शोध की प्रारम्भिक आवश्यकतायें

इकाई–2 शोध–सची संकलकी विविध प्र.ालियाँ–पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध–पत्र, आधार–ग्रंन्थ आदि का पारायण। शोध–कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली कार्ड–निर्माण, अनुक्रमणिका आदि तैयार करना।

इकाई–3 शोध–कार्य का आकलन, अनुक्रमणिका निर्माण, भूमिका–लेखन, पाद–टिप्पणी ,व ं परिशिष्ट–लेखन, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, पाडुलिपि अवलोकन ,व ं सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूलन और प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण।

इकाई–4 शोध–भाषा का स्वरूप, शोध–भाषा, समीक्षा–भाषा, सर्जनात्मक–भाषा में साम्य ,व ं वैषम्य। शोध–चिह्न आरेख तथा अंक आदि का उपयोंग•। अनुच्छेदीकरण, विरामांकन आदि। हिन्दी शोध का स्वरूप–विकास, उपलब्धियों ,व ं सीमाएँ,, सोपाधि ,व निरुपाधि शोध।

संदर्भ ग्रंथ –

1– शोध पद्धतियाँ : डॉ0 बी0एल0 फड़िया

2– शोध पथ : डॉ0 कैलाश चन्द्र शर्मा 'शंकी'

3– शोध क्या , क्यों और कैसे ? : डॉ0 महेन्द्र राजा जैन

4– शोध चरण : डॉ0 रामनिवास शर्मा , सौरव गुप्ता

5– हिन्दी अनुसंधान : विजयपाल सिंह

6– अनुसंधान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया : एस.एन. गणेशन

7– भाषा और हिन्दी भाषा : डॉ. नरेश मिश्रा

सेमेस्टर –IX

प्रथम प्रश्न पत्र (कोर)

आधुनिक हिन्दी काव्य (A010901T)

इकाई – 1

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत

नवम् सर्ग

इकाई – 2

जयशंकर प्रसाद : कामायिनी : चिन्ता, श्रद्धा सर्ग

सुमित्रा नन्दन पंत : मौन निमंत्रण

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा

इकाई – 3

अज्ञेय : असाध्य वीणा

मुक्ति बोध : अंधेरे में

नागार्जुन : बादल को गिरते देखा है , अकाल और उसके बाद

इकाई – 4

दिनकर : कुरूक्षेत्र (छठवां सर्ग)

सदर्भ ग्रथ :

1– नयी कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामविलास शर्मा

2– कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह

3– कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह

4– आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

5– समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव

6 साकेत : एक अध्ययन – नगेन्द्र

7– मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल

8– त्रयी (प्रसाद, निराला ओर पंत) – जानकीवल्लभ शास्त्री

9 छायावाद के आधार–स्तंभ –– गंगाप्रसाद पा.डेय

10– हिन्दी प्रबन्ध काव्यों में छायावादी अवधारणा : डॉ० राजेश कुमार तिवारी 'विरल'

11– छायावाद – नामवर सिंह

12– पन्त प्रसाद और मैथिलीशरण– दिनकर

13 अपराजेय निराला – डा– आशीष पाण्डेय

14 छायावादी कवियों का सौदर्य–विधान – सूर्यप्रसाद दीक्षित

15– जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

16– कामायनीः एक पुनर्विचार –मुक्तिबोध

17– कामायनी के अध्ययन की समस्या, – नगेन्द्र

18– निराला की साहित्य साधना, भाग–2, – रामविलास शर्मा

19– कवि निराला – नंददुलारे वाजपेयी

20– निराला : आत्महंता आस्था – दुधनाथ सिंह

21– निराला काव्य की छवियाँ–नंदकिशोर नवल

सेमेस्टर –IX

द्वितीय प्रश्न पत्र (कोर)

कथेतर गद्य साहित्य (A010902T)

इकाई – 1 : निबंध

- रामचंद्र शुक्ल : लोकमंगल की साधनावस्था , कविता क्या है?
- हजारीप्रसाद द्विवेदी : कूटज , अशोक के फूल

इकाई – 2 : आत्मकथा एवं जीवनी

- ओम प्रकाश वाल्मीकि : जूठन
- विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा

इकाई – 3 : रेखाचित्र एवं संस्मरण

- महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ (एक)
- जगदीशचंद्र माथुर : जिन्होंने जीना जाना

इकाई – 4 : यात्रावृत्तांत एवं पत्र साहित्य

- यात्रावृत्तांत :अज्ञेय : एक बूंद सहसा उछली (यूरोप की अमरावती; रोमा)
- पत्र साहित्य : मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद्र जैन को

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य–साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य
7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

A कबीरदास (A010903T)

पाठ्य विषय :

कबीर ग्रन्थावली– श्याम सुन्दर दास – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

अथवा

कबीर वाङ्मय – डा0 जयदेव सिंह ,व ं डा0 वासुदेव सिंह – विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वारा.ासी

संदर्भ पुस्तकें

1– कबीर –आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2– कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर

3– आधुनिक कबीर – राजदेव सिंह

4– उत्तर भारत की संत परम्परा – परशुराम चत ुर्वेदी

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

B सूरदास (A010904T)

व्याख्या के लिए प्राश्निक निम्नलिखित ग्रंथ के आधार पर प्रश्न–पत्र बना सकते है सूर सागर सार – धीरेन्द्र वर्मा

संदर्भ पुस्तके

1– सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2– सूर निर्णय प्रभुदयाल मीतल

3– अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय – दीनदयाल गुप्त

4– भक्ति आन्दोलन और सूर काव्य – मैनेजर पा.डेय

5– सूरदास और उनका साहित्य – हरबंश लाल शर्मा

6– सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विव`दी

7– सूरदास और उनका काव्य – गोवर्धन लाल शुक्ल

8– सूरसौरभ – मुंशीराम शर्मा – ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर

9– सूर साहित्य : नवमूल्यांकन – रावत चन्द्रभान – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा

10– महाकवि सूरदास – जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा

11– सूर का भ्रमरगीत : ,क अन्वेषण – विश्वम्भर नाथ उपाध्याय – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

C तुलसीदास (A010905T)

पाठ्य विषय : व्याख्या के लिए

रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण),

कवितावली, (प्रारम्भ के चार काण्ड)

गीतावली,

1. बधाई 2. विवाह की तैयारी 3. राज्याभिषेक 4. राम भरत सम्मेलन, 5. अशोक वन में हनुमान 6. विभीषण शरणागति 7. अयोध्या में आनन्द 8. रामराज्य 9. बसन्त विहार 10. लवकुश जन्म

दोहावली (प्रारम्भ के 100 दोहे)

संदर्भ पुस्तकें :

1– गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2– तुलसी दर्शन– बलदेव प्रसाद मिश्र – इलाहाबाद

3– तुलसी – उदयभानु सिंह – दिल्ली।

4– रामकथा : उत्पत्ति और विकास – कामिल वुल्के – इलाहाबाद

5– राम काव्य और तुलसी – प्रेमशंकर – दिल्ली

6– लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी – दिल्ली

7– तुलसी सर्वेक्षण – रामप्रसाद मिश्र – इडियन प्रकाशन, डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली

8– तुलसीदास और उनका काव्य – रामनरेश त्रिपाठी – राजपाल प्रकाशन, दिल्ली

9– तुलसी रसायन – भगीरथ सिंह – साहित्य भवन, इलाहाबाद

10– तुलसी मानस रत्नाकर – भाग्यवती सिंह सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

D प्रेमचन्द (A010906T)

यूनिट – 1 प्रेमचन्द युगीन प्रवृत्तियॉ या परिस्थितियॉ, प्रेमचन्द का व्यक्तित्व ,व ं कृतित्व

यूनिट – 2 कथा संग्रह – सोजेवेतन

कहानिया – पंच परमेश्वर , ईदगाह, मंत्र

यूनिट – 3 उपन्यास – कर्मभूमि या रगभूमि, गबन या गोदान

यूनिट – 4 प्रेमचन्द की रचनाओं का कथ्य व शिल्प

यूनिट –5 प्रेमचन्द का मूल्या ंकन व साहित्यिक अवदान

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

E जयशंकर प्रसाद (A010907T)

पाठ्य – सामग्री

इकाई– 1 – कामायनी (एम.ए. उत्तरार्द्ध) पाठ्यक्रम में चयनित सर्गों को छोड कर),

इकाई – 2 अजातशत्रु, स्कंदगुप्त,

इकाई – 3 : काव्यकला तथा अन्य निबन्ध ।

इकाई – 4 : जयशंकर प्रसाद के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें :

1– कामायनी सौन्दर्य – फतेह सिंह

2– कामायनी अनुशीलन – रामलाल सिंह

3– प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर प्रसाद

4– साहित्य : कुछ विचार – लक्ष्मीनारायण दुबे

5– जयशंकर प्रसाद – नन्द दुलारे वाजपेयी

6– जयशंकर प्रसाद – प्रभाकर श्रोत्रिय

7– प्रसाद के नाटक एवं नाट्यशिल्प – शान्ति स्वरूप गुप्त

8– प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन – जगन्नाथ शर्मा

9– कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, – डा0 नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

10– राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक – इन्दुमती सिंह – साहित्य निलय, कानपुर

सेमेस्टर –IX

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

'रचनाकारों का विशेष अध्ययन'

F आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (A010908T)

पाठ्य – सामग्री

इकाई – 1

चिन्तामणि भाग–1, 2 तथा 3, त्रिवेंणी, विचार–वीथी ।

इकाई – 2

रस मीमांसा , शशांक (अनूदित उपन्यास)

इकाई–3

बुद्ध चरित (लाइट ऑफ एशिया का अनुवाद)

इकाई – 4

ग्यारह वर्ष का समय (कहानी)

स्फुट कविताएँ,

हिन्दी साहित्य का इतिहास

संदर्भ पुस्तकें

1– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – राम विलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2– चिन्तामणि–नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3– आचार्य रामचन्द्र श ुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य – जयचन्द राय ।

4– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – शम्भूनाथ पाण्डेय,

5– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि – कृष्णदेव शर्मा

सेमेस्टर –IX

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A हिन्दी रंगमंच (A010909T)

इकाई – 1 नाटक और रंगमंच का स्वरूप
नाट्योत्पत्ति सम्बन्धी विविध मत
रूपक की अवधारणा
नाट्य अध्ययन का स्वरूप – नाटक का विधागत वैशिष्ट्य
नाटक और रंगमच
नाटक और रंगमंच का अन्तःसम्बन्ध
नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन
नाट्य – भेद –
भारतीय रूपक – उपरुपकों के भिद (सामान्य परिचय)
इकाई – 2 पारम्परिक नाट्य – रूपक रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटकी, माच, ख्याल, विदेसिया आदि पाश्चात्य नाटक (सामान्य परिचय)
इकाई – 3 नाट्य – विधान : भारतीय ,व ं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग राम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)
इकाई – 4 विश्व के प्रमुख रग चिन्तक : भरत– स्तानिस्लाव्स्की, ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त
हिन्दी रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास
पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ,, नुक्कड नाटक
संदर्भ ग्रंथ –

1– नाट्य शास्त्र : राधा वल्लभ त्रिपाठी
2– रंगदर्शन : नेमिचन्द्र जैन
3– पारम्परिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
4– परंपराशील नाट्य : जगदीशचन्द्र माथुर
5– रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मी नारायण लाल
6– हिन्दी नाटक और रंगमंच : वेस्ट का प्रभाव : सुरेश वशिष्ट
7– भारत की हिन्दी नाट्य संस्थायें एवं नाट्यशालायें : विश्वनाथ शर्मा
8– रंगमंच : सर्वानन्द
9– रंगकर्म : वीरेन्द्र नारायण
10– भारतीय रंगकोश : सम्पादक प्रतिभा अग्रवाल
11– भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
12– What is Theatre : Eric Bentley

सेमेस्टर –IX

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B साहित्य एवं सिनेमा (A010910T)

इकाई–1 साहित्य की अवधारणा वं स्वरूप (विधागत परिचय) सिनेमा की अवधारणा, साहित्य और सिनेमाः सैद्धान्तिक पक्ष, सिनेमा में प्रयुक्त साहित्यिक विधाएँ,– उपन्यास, कहानी, जीवनी, नाटक, आत्मकथा, संस्मरण गीत आदि।

इकाई–2 साहित्य एवं सिनेमा की रचना प्रक्रिया– शब्द–वाक्य– अनुच्छेद और शॉट, सीन, सीक्वेल, कथा–कथोपन और पटकथा–स ंवाद काव्य और सिनेमाई गीत, नाटक और सिनेमा, लेखक और निर्देशक, पाठक और दर्शक)

इकाई–3 हिन्दी सिनेमा का उद्भव –विकास– प्रारंभिक पृष्ठभूमि, प्रथम भारतीय फिल्म, सवाक् फिल्मो से स्वतन्त्रता प्राप्ति तक (1931–1947) आजादी के बाद से आपातकाल तक (1948–1977) आपातकाल से भूमंडलीकरण के पूर्व तक, भूमण्डलीकरण से वर्तमान तक

इकाई–4 हिन्दी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी फिल्मों का परिचय। फणीश्वरनाथ रेणु की कथा पर ''मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम'', शैलेन्द्र कृत ''तीसरी कसम'', केशवप्रसाद मिश्र के उपन्यास पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'नदिया के पार' तथा 'हम आपके हैं कौन' फिल्म की समीक्षा। क्र`डिट – 5

सन्दर्भ ग्रन्थ

1– जलक्षत्रिय, नीरा– साहित्य और सिनेमा का अंतर्सम्बन्ध, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013

2– रंगून वाला, फिरोज– भारतीय चलचित्र का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली, 1975

3– कुमार हरीश– सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013

4– राही, मासूम रजा– सिनेमा और सस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001

5– पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी

6– समय सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव

7– हिन्दी सिनेमा – सदी का सफर : अनिल भार्गव

8– साहित्य सिनेमा और समाज : पूरन चन्द्र टंडन, सुनील कुमार तिवारी

सेमेस्टर –X

प्रथम प्रश्न पत्र (कोर)

अस्मितामूलक विमर्श (A011001T)

इकाई–1

अस्मिता की अवधारणा और सिद्धान्त

अस्मिता के भेद : व्यक्ति अस्मिता, सामूहिक अस्मिता, हासिए की अस्मिता

इकाई – 2

स्त्री अस्मिता

जेन्डर की अवधारणा

प्रमुख स्त्रीवादी चिन्तक

प्रतिनिधि स्त्री अस्मिता ग्रंथों का परिचय

पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर स्त्री विमर्श का विश्लेषण

इकाई – 3

दलित अस्मिता

अम्बेडकर तथा उत्तर अम्बेडकर विचार

दलित आन्दोलन

प्रतिनिधि दलित साहित्यकार

पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर दलित विमर्श का विश्लेषण

इकाई – 4

आदिवासी अस्मिता

आदिवासी संदर्भ

आदिवासी साहित्य

पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर आदिवासी विमर्श का विश्लेषण

संदर्भ ग्रंथ :

1. FemInist Thought : A Comprehensive Introduction Tony Roserway
2. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बुआ
3. दलित साहित्य विशेषाक : हंस पत्रिका
4. अम्बेडकर समग्र : प्रकाशन विभाग भारत सरकार
5. हिन्दी में आदिवासी साहित्य : इश्पाक अली
6. भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता
8. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी
9. आदिवासी भाषा और साहित्य : सम्पादक रमणिका गुप्ता

सेमेस्टर –X

द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A नीतिकाव्य (A011002T)

इकाई –1 नीति काव्य की अवधारणा –

– नीति की परिभाषा तथा अर्थ

– नीति के रूप

– हिन्दी में नीति काव्य परम्परा

इकाई – 2 कवि वृंद :नीति सतसई (वृंद ग्रंथावली)

दोहा संख्या– 1 से 20

रैदास (रैदास वाणी)

पद संख्या – 43, 65, 79

इकाई –3

कवि बोधा : इश्कनामा, बोध ग्रंथावली : स '– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या 1 से 20

कवि रज्जब : रज्जब–वाणी : सं. बृजलाल वर्मा

गुरूदेव के अंग – 1 – 5 छंद

सबद के अंग 1 – 5 छंद

पीव पिछान का अंग 1 – 5 छंद

विरह का अग – 1– 5 छंद (कुल 20पद)

इकाई – 4

रहीम दोहावली

दोहा सं0 – 31, 66, 78, 100, 190, 207, 230, 240, 254, 276,

संदर्भ ग्रंथ

1. वृंद ग्रन्थावली : जनार्दन राव चेलेर
2. वृंद और उनका काव्य, जनार्दन रावच चेलेर
3. बोधा – गीता शर्मा
4. सोमनाथ व्यक्तित्व और कृतित्व : पूरनचंद टडन
5. सोमनाथ ग्रन्थावली (खंड–,क, दो, तीन) सं. सुधाकर पांडेय
6. सोमनाथ–रत्नावली : सं. ओंकारनाथ पा.डेय
7. संत रज्जब अली : वाणी और विचार– रमेश चन्द्र मिश्र
8. रज्जव वाणी : डॉ0 बृजलाल वर्मा
9. संत काव्य संग्रह : सम्पादक परशुराम चतुर्वेदी

गगगगगगगगगग

सेमेस्टर –X

द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B शैलीविज्ञान (A011003T)

इकाई–1 : शैली और शैलीविज्ञान

- शैली की अवधारणा : भारतीय एवं पाश्चात्य
- शैलीविज्ञान : स्वरूप और क्षेत्र
- शैलीविज्ञान में वस्तुनिष्ठ समीक्षा की प्रक्रिया
- भाषा और सर्जनात्मकता : शैलीविज्ञान का मूल आधार

इकाई–2 : शैलीविज्ञान : विभिन्न संकल्पनाएँ

- अग्रगामिता
- चयन
- विचलन
- समानांतरता
- अप्रस्तुत विधान • बहुअर्थता

इकाई–3 : शैलीविज्ञान : भाषा की प्रकृति

- सामान्य भाषा
- मानक एवं शास्त्रभाषा
- साहित्य भाषा
- साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व : ध्वनि, शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ, प्रोक्ति, बिम्ब और प्रतीक

इकाई–4 : शैली–विश्लेषण

- पाठ की संरचना, गठन और संसक्ति
- विन्यासक्रमी – सहचारक्रमी. लेखीय शैली–विश्लेषण
- काव्यभाषा–विश्लेषण
- गद्यभाषा–विश्लेषण

संदर्भ ग्रंथ

1. शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. शैलीविज्ञान : सुरेश कुमार
4. शैली और शैलीविज्ञान : सं. सुरेश कुमार और रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. शैली और शैली विश्लेषण : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु गगगगग

सेमेस्टर –X

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A भारतीय साहित्य (A011004T)

इकाई – 1

भारतीय साहित्य का स्वरुप और संकल्पना

इकाइ –2

हिन्दीतर भाषाओं में से किसी एक भाषा के साहित्य एवं भाषिक स्वरूप का अध्ययन

इकाई –3 काव्य

वर्षा की सुबह – सीताकांत महापात्र (उड़िया) (पाँच कविताएँ,) – 1. वर्षा की सुबह 2. हम, शब्द, 4. जाड़े की सांझ समुद्र तट 5. चूल्हे की आग

अथवा

सुब्रमण्यम भारती (तमिल) (पाँच कविता,)

वन्दे मातरम

– यह है भारत देश हमारा

– आजादी का एक पल्लू

– निर्भय

– जा जर्जरित भारत तू जा, आ नवभारत तू आ

इकाई – 4 भारतीय गद्य साहित्य

अग्निगर्भ – महाश्वेता देवी (बागला)

अथवा

मृत्युंजय – शिवाजी सांवत (मराठी)

संदर्भ ग्रंथ

1– भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा : विजय शंकर मिश्रा

2– आज का भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी

3– भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा

4– इंद्रप्रस्थ : भारती का भारतीय साहित्य विशेषांक , जुलाई–सितम्बर 2002

सेमेस्टर –X

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य (A011005T)

इकाई –1

– हिन्दीतर क्षेत्रों का संक्षिप्त परिचय

– संविधान की अनुसूची में वर्णित हिन्दीतर भाषाओं का सक्षिप्त

इकाई –2

–उत्तर भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

– पूर्वोत्तर भारत के हिन्दीतर क्षे`त्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

इकाई – 3

दक्षिण भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

इकाई – 4

– पश्चिमी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

– पूर्वी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

संदर्भ ग्रंथ :

1– केरल में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास : डॉ0 एन.ई. विश्वनाथ अय्यर

2– हिन्दी के निर्माता : कुमुद शर्मा

3– हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन : डॉ0 मलिक मोहम्मद

4– दक्षिण भारत में हिन्दी : रमेश शर्मा

सेमेस्टर –X

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

A हिन्दी विज्ञान लेखन (A011006T)

1– हिंदी मे ं विज्ञान लेखन

- विज्ञान लेखन की अवधारणा और हिंदी
- हिंदी में विज्ञान लेखन का इतिहास
- हिंदी मे विज्ञान लेखन की समस्या, चुनौतियां और संभावना,
- विज्ञान लेखन के विभिन्न स्वरूप
- रोजमर्रा क` जीवन में विज्ञान की भूमिका
- विज्ञान लेखन का स्वरूप – कथा आ ैर कथेतर
- विज्ञान लेखन क` विविध पक्ष– सामान्य विज्ञान, पर्यावरण संबंधी लेखन, प्रोद्यौगिकी सबधी लेखन
- विज्ञान आधारित पुस्तकों, पत्र, पत्रिकाओं आदि का अध्ययन

2– हिंदी के विज्ञान लेखकों का अध्ययन

- सरंचना, शैली, आख्यान , वाचिकता का अध्ययन
- गुणाकर मुले का साहित्य
- देवेंद्र मेवाड़ी का साहित्य

3– संचार माध्यम और विज्ञान लेखन

- प्रिंट मीडिया में विज्ञान लेखन की स्थिति
- टेलीविजन और विज्ञान लेखन
- न्य ू मीडिया और विज्ञान लेखन

4– व्यावहारिक विज्ञान लेखन

- सिद्धांत, प्रामाणिकता और स्रोत
- विज्ञान लेखन के रूप– खबर, कथा, कथेतर
- विज्ञान लेखन के लक्षित पाठक और लेखन
- विज्ञान लेखन की शब्दावली

संदर्भ ग्रंथ

1– शिव गोपाल मिश्र, हिंदी में विज्ञान लेखन : भूत, वर्तमान और भविष्य, AISECT प्रकाशन, 2015

2– शिव गोपाल मिश्र, हिंदी में विज्ञान लेखन के सौ वर्ष, विज्ञान प्रसार, 2003

3– गुणाकर मुले, प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक, राजकमल प्रकाशन, 2011

4– गुणाकर मुले, भारतीय विज्ञान की कहानी, राजकमल प्रकाशन, 2003,

5– देवेंद्र मेवाड़ी, सौरमंडल की सैर, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2012–

6– देवेंद्र मेवाड़ी,मेरी प्रिय विज्ञान कथा,, आधार प्रकाशन, 2011

सेमेस्टर –X

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

B हिंदी के क्षेत्र, लोक–शैलियाँ और लोक–साहित्य के विविध आयाम (A011007T)

इकाई – 1 – हिंदी : लोक–संस्कृति क्षेत्र और लोक–शैलियाँ

इकाई – 2– लोकगीत, देवीगीत, संस्कारगीत, ऋतुगीत, श्रमगीत

इकाई – 3– लोकगाथा, लोकआख्यान, पंडवानी

इकाई – 4– रामलीला, नौटंकी, स्वांग, बिदेसिया

संदर्भ ग्रंथ

1. Culture as Paraxis : Zygmunt Bauman
2. Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz & Cornelins J. Holtorf (Edt)
3. Theory and History of Folklore : Vladimir Propp
4. Folklore, Myths and Legends : Donna Rosenberg
5. Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
6. Folk Culture of Manipur : Dr. M. Kirti Singh
7. An Outline of the Cultural History of India : Syed Abdul Latif
8. Malabar and its Folk : T.K. Gopal Panikkar
9. Facets of Indian Culture : Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)
10. Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
11. Varia Folklorica : Alan Dundes (Edt.)
12. Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
13. Folktales of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
14. Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abrahan
15. Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
16. Many Ramayana : Richman 17. Folk Life : (Journal)
18. लोक नाट्य सांग : आज और कल : पूर्णचंद शर्मा
19. भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता : सुरेश गौतम
20. लोक का आलोक : सं. पीयूष दहिया
21. लोक : सं. पीयूष दहिया
22. लोक–साहित्य विज्ञान : सत्येंद्र

23. लोक–साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
24. लोक साहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय
25. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
26. लोक साहित्य : सुरेश गौतम
27. लोक नाट्य सांग : कल और आज : पूर्णचंद शर्मा
28. भारतीय लोक अवधारणाओं के आधार एवं स्वरूप : प्रताप सिंह
29. लोकगीत पाठ एवं विमर्श : सत्य प्रिय पांडेय
30. लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य : श्याम सुंदर दुबे
31. लोक साहित्य विमर्श : श्याम परमार
32. लोक साहित्य और लोक संस्कृति : दिनेश्वर प्रसाद
33. लोक संस्कृति और प्रयोग : श्रीराम शर्मा
34. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार